मुद्रित पृष्ठ संख्या 06

परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था

अणुशक्तिनगर, मुम्बई-400094

वार्षिक परीक्षा – 2019-20

कक्षा - सातवीं | समय : 3 घंटे

विषय - हिंदी | पूर्णांक : 80

निर्देश -

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं - क, ख, ग और घ।
2. सभी खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 8

हमारे जीवन में नदियों की विशेष महत्ता है | नदियों के कारण ही हमारा जीवन संभव हो सका हैं | भारतीय संस्कृति में नदियाँ पूजनीय मानी गई हैं | नदियों से हमें अमृत तुल्य जल प्राप्त होता है | इसका उपयोग हम खेतों की सिंचाई करने अपनी प्यास बुझाने , बिजली बनाने , घरेलू काम करने के अलावा और भी बहुत से कामों में करते हैं | नदियाँ आवागमन का साधन बनकर जलमार्ग उपलब्ध कराती हैं | प्राचीनकाल में अधिकांश व्यापार इसी मार्ग से होता था | लोग नावों द्वारा आते - जाते और व्यापार करते थे | भारतीय संस्कृति में अनेक धार्मिक क्रिया-कलाप नदियों के किनारे किए जाते हैं | शहरों में पेयजल का मुख्य स्रोत नदियाँ ही हैं | दुर्भाग्य से मनुष्य अपने स्वार्थपूर्ण व्यवहार से नदियों को दूषित कर रहा है | नदियों में जानवरों को नहलाने, कपड़े धोने, पूजा - पाठ की अवशिष्ट सामग्री फेंकने, लाशें प्रवाहित

करने या उनके किनारे पर अंत्येष्टि क्रिया करने से नदियों का प्रदूषण बढ़ा है | हमें नदियों को बचाने का पूरा प्रयास करना चाहिए |

I. नदियाँ हमारे लिए किस प्रकार लाभकारी है ? 2

II. नदियों में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए आप क्या-क्या सुझाव देंगे| 2

III. नदियों को कौन और किस प्रकार दूषित कर रहा है ? 2

IV. व्यापार बढ़ाने में नदियों की भूमिका स्पष्ट कीजिए | 1

V. गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 7

संकटों से वीर घबराते नहीं , आपदाएँ देख छिप जाते नहीं |
लग गए जिस काम में , पूरा किया , काम करके व्यर्थ पछताते नहीं|
हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता , कर्मवीरों को न इससे वास्ता |
बढ़ चले तो अन्त तक ही बढ़ चले , कठिनतर गिरिशृंग ऊपर चढ़ चले |
कठिन पंथ को देख मुस्काते सदा , संकटों के बीच वे गाते सदा |
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए , सरल संभव कर दिखाते वे सदा |
यह असंभव कायरों का शब्द है , कहा था नेपोलियन ने एक दिन |
सच बताऊँ ज़िंदगी ही व्यर्थ है - दर्प बिन , उत्साह बिन औ' शक्ति बिन |

I. कविता के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए ? 1

II. नेपोलियन ने क्या कहा था ? 1

III. कवि के अनुसार ज़िंदगी किन तीन साधनों के बिना व्यर्थ होती है ? 1

IV. कर्मवीर व्यक्तियों के लिए कोई भी कार्य 'असंभव' नहीं होता है - क्यों ? 2

V. कवि ने कर्मवीरों की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं ? 2

खण्ड 'ख'

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - 16